

टीकटैक् (ट्राइबल इंडिया चैम्बर ऑफ़ ट्रेड एग्रीकल्चर एंड कॉमर्स) आदिवासियों के हितार्थ एक ऐसा संगठित मंच है जिसके माध्यम से वह निरंतर अपनी आवाज़ को उच्चतम एवं उपयुक्त गलियारे तक पहुंचा सके। इस संगठन की विशेष संरचना (चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स) देश के हर आदिवासी नागरिक, या उनसे जुड़े संगठनों को यह सुविधा देती है की वह हमारे सदस्य होने के नाते, आदिवासियों से जुड़ी हुई सभी मूर्त विषयों पर गहन चिंतन एवं संवाद के पश्चात सरकार को वाणिज्य, व्यापार या कृषि के क्षेत्र में निति गठन एवं उसके कार्यान्वयन में, हमारे मंच का उपयोग करते हुए सकारात्मक सुझाव दे सकें।

देश के हर आदिवासी नागरिक के के सम्मान में टीकटैक् संस्था की आधारशिला चार स्तम्भों पर इस प्रकार रखी गयी है: १) कर्तव्य तथा अधिकार २) अभिसरण (convergence) ३) सहयोग (collaboration) एवं ४) संयोजन (Connectivity)

टीकटैक् का मूल उद्देश्य यही है की अपने आदिवासी सदस्यों की चिंतन शैली पर आधारित, देश एवं विदेशी पटल पर, एक अभूतपूर्व वैचारिक विचारधारा के अभिन्न स्रोत के रूप में संस्था को स्थापित करे।

टीकटैक् की प्रतिबद्धता है की हम मुखरता से उनके लिए काम करेंगे जो आदिवासियों के लिए काम कर रहे हैं।

इस सन्दर्भ भी यह भी ज्ञात होना ज़रूरी है कि टीकटैक् एक चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स होने के नाते एक सुदृढ़ मंच के तौर पर अपने सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है, परन्तु यह मंच कभी भी किसी गैर सरकारी संस्था की जगह नहीं लेता है, न ही उनकी कार्यशैली में कदापि कोई हस्तक्षेप करता है।

टीकटैक् का सबसे महत्वपूर्ण योगदान यह है की आदिवासी समाज के हित में अपने अपने तरीके से बहुमूल्य काम कर रहे हितधारकों, एक ही विचारधारा के अनेकों संगठन तथा व्यक्तिविशेषों को एक संगठित मंच पर सम्मिलित कर के सरकार के समक्ष एकजुटता से सभी आदिवासी हित के बिंदुओं पर सकारात्मक परिपेक्ष्य पेश करें तथा इन सुझावों के बल पर सरकार को भी सामूहिक चिंतन करने, निति बनाने और क्रियान्वित करने के लिए एक पटल की सुविधा उपलब्ध कराएं।

टीकटैक् का प्रयास है की हितधारकों के सामूहिक एवं सम्मिलित चिंतन के द्वारा आदिवासी सम्बंधित कार्यशैली को मात्र आदिवासी हित के केंद्रबिंदु से प्रसारित कर के आदिवासी स्वमित्व की तरफ बढ़ाया जाय।

टीकटैक् की यह भी प्रतिबद्धता है की आने वाले समय में भारतवर्ष में आदिवासियों को उनकी आधिकारिक एवं स्वाभिमानपुरक **आदि-भारतीय** की संज्ञा से सम्मान दिया जाय।